

परोक्ष (परस् + शब्द) adj. f. °क्षी *aussern* —, *oben eng* ÇAT. Br. 3, 4, 26.

परोक्ष (?) in °मन्त्र Verz. d. B. H. No. 903 (XIX).

परोक्ष s. u. वच् mit परा.

परोक्ष (परस् + शब्द *Aug*) 1) adj. f. श्चा *ausserhalb des Gesichtskreises*

*liegend, der Wahrnehmung sich entziehend, unbekannt, unverständlich:*

अभयं ज्ञातादभयं परोक्षत् AV. 19, 15, 6. अयि हृ पृष्ठस्तोत्रोपेषु (प्रत्यक्षेषु)

परोक्षानि कुर्वन् LĀTJ. 10, 2, 3. 6, 10, 19. प्रत्यक्षं यत्तदतिष्ठ परोक्षं पृष्ठतः

कुरु R. 2, 108, 17. परोक्षयानिश्च बुद्ध्या राम प्रत्यक्षतया तथा । परां च प्रकृतिं

दृष्ट्वा परिपाल्याः प्रजास्त्वया ॥ R. GORR. 2, 2, 29. SĀMKBHĀK. 6. तां परोक्षानि

मपि जगतो ऽवस्थाम् ÇĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 183. SĀH. D. 83. बहुभिः

परोक्षैर्हयैः *die man nicht wahrnimmt* BĀĪG. P. 2, 1, 12. वृता भूपतिभिः

परोक्षैः RAĪG. 7, 13. बहुर्षे जीवितं धीराः परोक्षस्य प्रभोः कृते RĀĪG-TAR.

4, 324. BĀĪG. P. 1, 15, 3. MĀK. P. 23, 106. सर्वमेतत्परोक्षं मे यत्तं वदसि

*unverständlich* MBH. 1, 3068. कश्चिन्न सर्वं कर्मात्ताः परोक्षान्ते विशङ्कि-

ताः 2, 165. Spr. 678. किमीश्वराणां परोक्षम् ÇĀK. 108, 17. न परोक्षं ते धर्म

पश्यामि बुद्धितः *deinem Geiste nicht unbekannt, fremd* R. 6, 95, 54. प-

रोक्षप्रिय AIT. Br. 3, 33 und sonst. °काम ÇAT. Br. 6, 1, 1, 11. °पृष्ठ ÇĀK.

ÇR. 10, 8, 33. 12, 7, 4. 8. परोक्षार्थस्य दर्शकम् (शास्त्रम्) Spr. 111. °मन्मथ

*dem die Liebe etwas Fremdes ist* ÇĀK. 51. °ज्ञित् *der auf eine kaum wahr-*

*nehmbare Weise siegt* BĀĪG. P. 3, 18, 4. कृता लोकपरोक्षो ऽयं संबन्धो वै

(so die v. l.) त्वया सद् *hinter dem Rücken der Welt* MBH. 1, 3114. स्वा-

भिप्राय° *dem eigenes Verlangen, eine eigene Meinung etwas Fremdes*

*ist* VRT. 19, 16. Verschiedene cass. als adv. gebraucht. a) acc. Vop. 6,

65. (oxyl. nach gaṇa शरदादि zu P. 5, 4, 107) *so dass man es nicht sieht,*

*hinter dem Rücken, ohne Wissen von* (in der älteren Sprache mit dem

instr., in der späteren mit dem gen.): परोक्षमेव तद्देवेभ्यं श्राम्मो ऽव-

द्यत्यनान्नत्राय TBR. 1, 5, 6, 7. परोक्षं वा अन्ये देवा इत्येते प्रत्यक्षमन्ये TS.

1, 7, 3, 1. यज्ञमानेन परोक्षम् ÇAT. Br. 1, 5, 3, 7. 2, 1, 2, 11. 3, 1, 3, 25. 6, 1, 4,

11 u. s. w. LĀTJ. 8, 9, 1. BRHADD. in Z. f. vgl. Spr. 1, 442. नोदाकोदस्य ना-

म परोक्षमपि केवलम् M. 2, 199. MBH. 14, 805. न प्रत्यक्षं परोक्षं वा किंचि-

दुष्टं समाचरेत् 1301. R. 2, 21, 5. परोक्षमिव मे राजन्कृत्यसे MBH. 3, 2819. KA-

THĀS. 29, 73. तत्परोक्षम् PĀNĪKĀT. 46, 7. — b) instr. *auf eine dem Auge sich ent-*

*ziehende, geheimnissvolle, versteckte Weise:* तन्माडुर्षं सन्मानुपमित्याचलते

परोक्षेण परोक्षप्रिया इव हि देवाः AIT. Br. 3, 33, 7, 30. TBR. 1, 5, 9, 2. ÇAT.

Br. 6, 1, 2, 2. 14, 6, 11, 2. AIT. UP. 3, 14 u. s. w. परोक्षेण प्राशित्त्रपमाप्नो-

ति AIT. Br. 7, 26, 31. — c) abl. (den instr. regierend): तामु वा श्रद्धि-

ना बुध्येन परोक्षान्तेनो ऽदघात् *heimlich vor* AIT. Br. 3, 36. श्र° ÇAT. Br.

14, 6, 4, 1. 3, 1. — d) loc. *hinter dem Rücken:* परोक्षे खलीकर्तुं शक्यते न

ममाग्रतः MRĀKH. 35, 9. परोक्षे कार्यकृत्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिन्म् KĀN. 18.

Spr. 1216. गुणान्स सर्वस्य वदेत्परोक्षे VARĀH. BRH. S. 74, 9. H. 268. तस्य

परोक्षे PĀNĪKĀT. 212, 22. — 2) m. a) *Büsser* ÇĀBDAM. im ÇKDR. — b) N.

pr. eines der Söhne des ANU BĀĪG. P. 9, 23, 1. — 3) f. श्चा *die vergan-*

*gene, vollendete Handlung* (in der Gramm.; es ist wohl वृत्ति zu ergän-

zen): श्रभ्यासस्य परोक्षायाम् (समापत्तिर्भवति) AV. PRĀT. 4, 84. In derselben

Bed. परोक्षे (लिट्) P. 3, 2, 115. अपरोक्षे 119. — Vgl. श्र°.

परोक्षकृत (प° + कृत) adj. von einem Verse (ऋच्), *welcher den Gott*

*nicht anredet, sondern nur von ihm aussagt*, NIR. 7, 1.

परोक्षता (von परोक्ष) f. nom. abstr.: श्चात्र गणिते राजन्विद्यते न परो-

क्षता so v. a. *bei dieser Rechnung giebt es keine Dunkelheit, liegt Alles*

*offen zu Tage* MBH. 3, 2820.

परोक्षत्व (wie eben) n. *Nichtwahrnehmbarkeit* VEDĀNTAS. (Allah.) No. 97.

1. परोक्षवृत्ति (प° + वृत्ति) f. *ein nicht vor unsern Augen geführtes*

*Leben:* कर्मानुमेयाः सर्वत्र परोक्षगुणवृत्तयः Spr. 610.

2. परोक्षवृत्ति (wie eben) adj. *der nicht vor unsern Augen lebt* Spr. 610.

*auf eine dem Auge sich entziehende, undeutliche Weise gebildet:* निघण्ट-

वः *ist अतिपरोक्षवृत्ति, निगलवः — परोक्षवृत्ति, निगमपितारः — प्रत्यक्षवृ-*

*त्ति* DURGA zu NIR. 1, 1. Davon nom. abstr. °ता f. ebendas.

परोक्षवृत्ति (परस् + ग°) adv. *über das Weideland —, das Weidege-*

*biet hinaus:* परोक्षवृत्त्यनिराम्य लुधमग्रे सेधं रत्तस्विनः RV. 8, 49, 20.

*entfernter als eine Gavjūti: होतव्यः* KĀTH. 37, 1.

परोक्ष्य (von वच् mit परा) adj. *dem man widersprechen darf:* ब्राह्म-

णो न परोक्ष्यः TS. 2, 3, 41, 9.

परोक्षा (पर + ऊठा) f. *eines Andern Weib* SĀH. D. 108, 210.

परोषकारिन् (पर + उप°) 1) adj. *Andern Dienste erweisend, — helfend*

ÇĀK. 109. Davon nom. abstr. °कारिन् n. BHART. Suppl. 13. — 2) m.

N. pr. eines Fürsten KATHĀS. 24, 19, 37.

परोक्षा (परस् + बाहु) adv. *über den Arm hinaus, weiter als der Arm*

*reicht* ÇAT. Br. 6, 4, 3, 10. 7, 2, 9, 3, 2.

परोक्षमात्र (परस् + मात्रा) adj. *übermässig, ungeheuer:* Indra RV. 8, 57, 6.

परोक्षस् (परस् + र°) adj. *über den Staub —, über den Dunst hinaus-*

*legend* ÇAT. Br. 14, 8, 15, 4. fgg. SHADY. Br. 1, 2.

परोक्षन् (परस् + लन्) adj. *mehr als hunderttausend* H. 1423, Sch.

परोक्षर्म (परस् + श्रवर्म) adv. *von oben nach unten, der Reihe nach,*

*von Hand zu Hand, nacheinander:* सो ऽयं परोक्षर्म यज्ञो ऽनूच्यते पितैव

पुत्राय ब्रह्मचारिणे ÇAT. Br. 1, 6, 2, 4. 12, 8, 3, 30. 13, 5, 4, 3. ÇĀK. ÇR. 16,

9, 7. — Vgl. परोक्षर्व.

परोक्षरीण (vom vorherg.) adj. P. 5, 2, 10. = परोक्ष्यापरोक्ष्यानुभवति Sch.

परोक्षरीयम् (परस् + व°) adj. 1) *aussern —, oben breiter:* वज्र AIT. Br.

2, 35, 1, 25. TS. 6, 2, 3, 5. KĀTH. 24, 9. Vgl. परउरु. — 2) *besser als gut,*

*der allervorzüglichste* KĀHND. UP. 1, 9, 2. 2, 7, 1, 2. परोक्षरीयो ह्यस्य भ-

वति *das höchste Glück* ebend.

परोक्षिण (परस् + उ°) f. *ein best. Metrum (8 + 8 + 12 Silben)* KĀHNDAS 3

in Verz. d. B. H. 100, 2.

परोक्षी f. 1) *eine Art Schabe* AK. 2, 5, 26. H. 1337. Fälschlich auch

परोक्षी geschrieben. — 2) N. pr. eines Flusses (wohl = परुक्षी und

daraus entstellt) RĀĪG-TAR. 8, 2007.

पर्क (von पर्च) s. मधुपर्क.

पर्कटी 1) m. *Reiher* (vgl. वकोट). — 2) n. *Angst, Schmerz* ÇĀBDĀRTHAK.

im ÇKDR.

पर्कटिन् m. oder पर्कटी f. 1) *Ficus infectoria Willd.:* जज्ञो जटी पर्कटी

स्यात् AK. 2, 4, 3, 13. TRIK. 3, 3, 99. H. 1131. पर्कटी f. MED. 1, 47. H. a. n.

3, 165 (lies पर्कटी st. कर्कटी). महान्पर्कटीवृत्तः HIT. 18, 7. Nach BHAB. zu

AK. auch पर्कटि f. ÇKDR. — 2) *eine frische Betelnuss u. s. u.* (पूगार्दे-

र्नवे फले) TRIK. °टी f. MED. H. ad.

पर्च (पर्च), पर्चोक्ति (DBĀTUP. 29, 25), पर्चोक्ति, अपृषाक्; पिपृग्धि, पिपृक्त,

पिपृच्याम्; पर्चस्, अपि) अपृषाक्, अपृषामि, अपृष्यात्; med. पर्चस्, पर्चस् (DBĀ-